जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 60 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 30 दिसम्बर, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

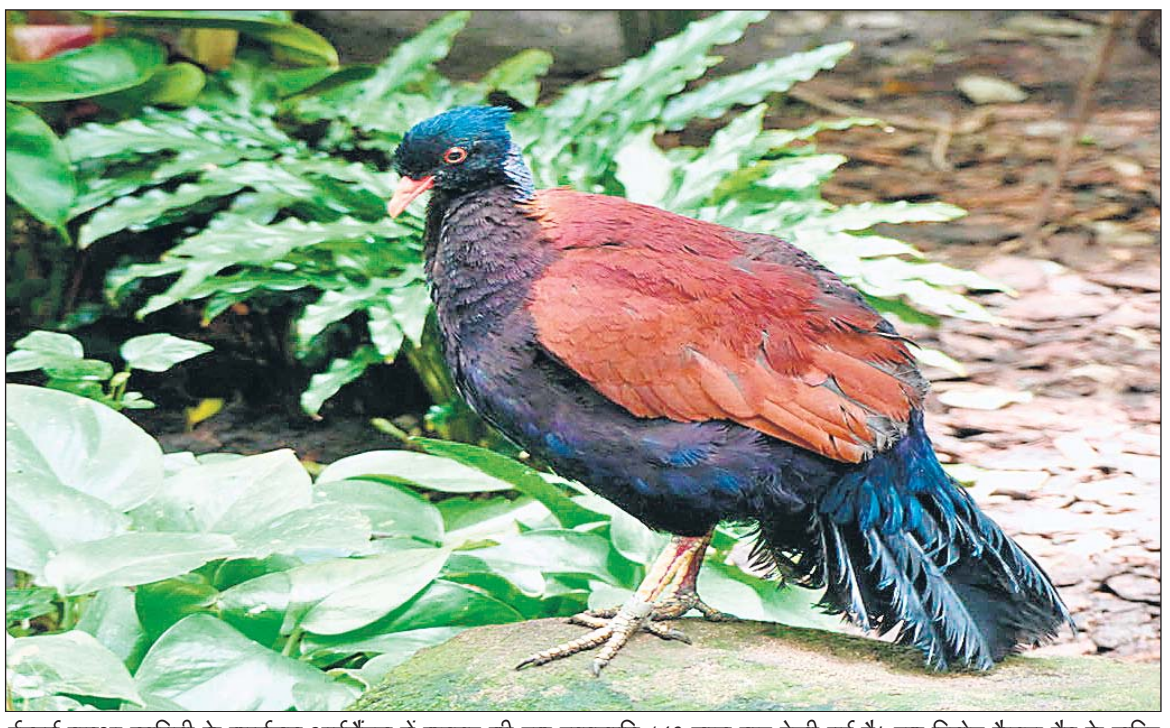

ईस्टर्न पापुआ न्युगिनी के फर्ग्युसन आईलैंड्स में कबूतर की एक उपप्रजाति 140 साल बाद देखी गई है। एक रिमोट कैमरा ट्रैप के जरिए वैज्ञानिकों ने ब्लैक नेप्ड फैज़ेंट पिजन की तस्वीरें ली हैं। बड़े आकार के और जमीन पर विचरण करने वाले इस पक्षी का पहली बार सन् 1883 में ब्यौरा दिया गया था। अमेरिकन बर्ड कंजर्वैन्सी में लॉस्ट बर्ड प्रोग्राम के डायरैक्टर और खोज अभियान के सहनेता जॉन सी मिटरमियर ने कहा, ''एक माह के सर्च अभियान के बाद इस फैज़ेंट पिजन की तस्वीरें देखना ऐसा था मानो हमें यूनीकॉर्न मिल गया हो।'' दिसम्बर 2022 में खोज दल, जिसमें पापुआ न्युगिनी और वहां के नैशनल म्यूज़ियम के लोग, कॉर्नेल लैब ऑफ ऑर्निथॉलजी तथा अमेरिकन बर्ड कंज़र्वैन्सी के विशेषज्ञ शामिल थे, ने फर्ग्यूसन आइलैंड पर स्थानीय लोगों से बात कर ऐसी जगहों का पता लगाया, जहां इनके मिलने की संभावना थी। उन्होंने घने जंगल में उन स्थानों पर गुप्त कैमरा ट्रैप लगाए, जो कदापि आसान नहीं था। कंज़र्वेशन बायॉलजिस्ट और खोजी दल के सहनेता जेसन ग्रैग ने कहा, ''हम माउन्ट किलकेरान केवेंस्टर्न स्लोप के गांवों में गए, वहाँ हमें वो शिकारी मिले जिन्होंने यह फैज़ेंट पिजन देखा था। उसके बाद इस पक्षी के बारे में, जिसका लोकल नाम ''औवो'' है, हमारा यकीन और बढ़ गया और हमें लगा कि हम इस पक्षी के आवास के और करीब हैं।'' एक स्थानीय शिकारी ऑगस्टिन ग्रैगरी ने बताया कि, उसने पक्षी की आवाज़ भी सुनी है और इसे देखा भी है। उसकी टिप पर ये लोग क्वामा नदी के पास एक रिज पर पहुंचे जो समुद्र की सतह से 1000 मीटर ऊपर थी। खोज अभियान खत्म होने के मात्र दो दिन पहले कैमरा ने जंगल की जमीन पर चलते एक ब्लैक नेप्ड फीजेंट पिजन की तस्वीर ली। कॉर्नेल लैब ऑफ ऑर्निथॉलजी के शोधकर्ता और खोज टीम के सह नेता, जॉर्डन बोर्स्मा ने कहा, ''जब हमने कैमरा ट्रैप्स एकत्रित किए तो मेरा अनुमान था, कि ब्लैक नेप्ड फैज़ेंट पिजन की तस्वीर मिलने की संभावना एक प्रतिशत से भी कम है। फिर जब मैं तस्वीरों को स्क्रोल कर रहा था तो स्तब्ध रह गया, क्योंकि एक तस्वीर में यह पक्षी हमारे कैमरे के एकदम पास चल रहा था। यह खोज ''सर्च फॉर लॉस्ट बर्ड'' प्रोजैक्ट का हिस्सा है, जिसमें बर्ड लाइफ इंटरनैशनल, अमेरिकन बर्ड कंज़र्वैन्सी और रीःवाइल्ड शामिल हैं। पक्षी विज्ञानी मानते हैं कि फैज़ेंट पिजन बेहद दुर्लभ हैं और फर्ग्युसन आईलैंड के जंगल ही हैं, जहां ये मिल सकते हैं।

तमिलनाडू सरकार अपना स्वयं का आधार कार्ड जारी करेगी

तमिलनाडू सरकार का तर्क है, यह ''मक्कल आई.डी.'' तमिलनाडू के नागरिकों को प्रदेश की सरकारी योजनाओं से मिल रहे लाभ की व्याख्या करेगी और उन योजनाओं की ''एफिशिएन्सी'' नापने में मदद करेगी

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। क्या तमिलनाडु अपने अपने अधिकारों का दावा प्रस्तुत करने के मामले किन्ही अनूठे तथा बिल्कुल अलग तरीकों पर विचार कर रहा है, तथा स्वयं को केन्द्र को चुनौती देने के लिये तैयार कर रहा है? क्या इस बार उसने यूनिक आइडैन्टिफिकेशन नम्बर अर्थात आधार नम्बर का मुद्दा उठाया है? आधार, जो पहले से ही पूरे देश में सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेज के रूप में अस्तित्व में है, के बावजूद, तमिलनाडु अपना स्वयं का यूनिक आई.डी. नम्बर लाने जा रहा है जिसे उसने ''मक्कल आईडेन्टिटी (व्यक्ति की पहचान) नाम दिया है। तमिलनाडु ने, अपने इस प्रचंड राजनैतिक तूफान की शुरूआत करने के लिये, आई.टी. सेवा प्रदाताओं की तलाश के लिये टेंडर अधिसूचना जारी कर दी है।

जहाँ विपक्षी दल भाजपा ने तमिलनाडु सरकार की इस अनूठी पहल का उद्देश्य एंव समय के बारे में प्रश्न किये तथा इसे ''आधार'' को चुनौती देने तथा आधार को निरर्थक कर देने वाली एक खतरनाक मुहिम बताया है, वहीं एक भाजपा नेता ने तमिलनाडु सरकार के इस पहल पर हमला बोलते हुये कहा है कि, ''यह राष्ट्र-विरोधी भी है।'' दूसरी तरफ, डी.एम.के. (द्रमुक) नेताओं ने इसका बचाव करते हुये, इसे राज्य सरकार को एक वैध एवं सार्थक पहल बताया है जिसके जरिये, सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं को अभीष्ट लाभार्थियों तक पहुँचाने की प्रभावोत्पादकता में सुधार ला सकेगी।

तमिलनाडु सरकार का प्रस्तावित ''मक्कल आई डी'' राज्य के निवासियों के लिये एक यूनिक इन्डिविजुअल आइडैंटिफिकेशन सिस्टम है। द्रमुक के प्रवक्ता टी.के.एस. एलनगोवन ने इस बात का खंडन किया है कि टी.एन. आइडैन्टिफिकेशन नम्बर किसी भी रूप में आधार को चुनौती देगा। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल का भाजपा द्वारा किया गया विरोध निराधार है। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा अभीष्ट लाभार्थियों तक उनकी पहुँच की प्रभावोत्पादकता को सुधारने में सरकार की मदद करना ही, इस पहल का विशिष्ट प्रयोजन है।''

उन्होंने कहा कि कुछ अन्य राज्यों में इसी प्रकार के पृथक आइडेन्टिफिकेशन नम्बर की प्रक्रिया चल रही है तथा सरकार की इस पहल को किसी अन्य एवं विशेष अर्थ में नहीं लिया जाना चाहिये। दर असल, इसे पूर्व, इस विचार पर चिन्तन ए.आई.ए.डी.एम.के. ने किया था लेकिन किन्हीं कारणों से वह इस दिशा में आगे नहीं बढ़ सकी। डी.एम.के. प्रवक्ता टी.के.एस. एलनगोवन ने भाजपा के आरोपों तथा सन्देहों को खारिज कर दिया और कहा कि आधार से भ्रष्टाचार किसी भी रूप में कम नहीं हुआ है। उन्होंने प्रश्न किया, ''केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा विधायकों'' को खरीदती रहती है तथा सरकारे बनाती रहती हैं तो क्या वे सारे लेन-देन आधार के जरिये रिकॉर्ड काये जाते हैं?'' इस प्रकार, उन्होंने भाजपा को आईना दिखा दिया, जो सरकार की ऐसी पहल के निर्णय का राजनीतिकरण कर रही है, जिसका उद्देश्य अभीष्ट लोगों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचने की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाना है।

''मक्कल आई डी'', जो राज्य में डेटा-केन्द्रित प्रशासन को मजबूत बनाने की इस सरकारी पहल का हिस्सा है, के डेटाबेस के प्रबन्धन के लिये तमिलनाडु सरकार निविदाएं आमन्त्रित कर चुकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा ने इस मुद्दे पर कहा कि, आधार कार्ड जारी होने से सरकार की ''वैलफेयर स्कीम्स'' में लीकेज़ और भ्रष्टाचार काफी रुका है। अतः डी.एम.के. नेता, भ्रष्टाचार को पनपाना चाहते हैं, क्योंकि वे इस भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, अतः वे अपना स्वयं का आधार कार्ड जारी कर, केन्द्रीय आधार कार्ड को कमज़ोर करना चाहते हैं।**
- **बहरहाल तमिलनाडू सरकार ने ये नई ''मक्कल आई.डी.'' उपलब्ध कराने के लिये सर्विस प्रोवाइडर्स के चयन के लिये टैंडर भी जारी कर दिया है।**

'मुख्यमंत्री समकक्ष नेता को नकारा-निकम्मा कहें और भाषण दें कि, पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार मत करो'

पूर्व विधायक भीमराज भाटी बोले- जो चुनावों में तीसरे नंबर पर रहे, लोकसभा में 5- 5 लाख से हारे, उनसे फीडबैक लेकर क्या हासिल होगा

जयपुर, 29 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा राज्य में कांग्रेस के हालातों पर दो दिन से फीडबैक ले रहे हैं और जानना चाह रहे हैं कि किस तरह से सरकार रिपीट हो सकती है। इस फीडबैक में सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई है कि कांग्रेस के राज्य नेतृत्व ने निर्दलीयों, बसपा से आए विधायकों, बीटीपी विधायकों, माकपा विधायकों तथा रालोद विधायक को तवज्जो दी, लेकिन उन सीटों पर चुनाव लड़ चुके कांग्रेस उम्मीदवारों को ना सिर्फ कमजोर किया, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बेहद निराश किया है।

रंधावा से मिलने आए पूर्व विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि पार्टी टिकट प्राप्त करने के बाद जो लोग चुनाव में तीसरे नंबर पर आए हैं, जो लोग सांसद का चुनाव चार- पांच या छह लाख से हारे हैं, और जो लोग सरपंच का चुनाव नहीं जीत सकते, उन लोगों को बुलाकर बात करने से कांग्रेस को क्या मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अधिवेशन में कहा गया कि कांग्रेस के खिलाफ कोई बात नहीं करनी चाहिए, लेकिन जब मुख्यमंत्री ही अपने समकक्ष नेता को नाकारा निकम्मा कहे, तो फिर इस बारे में क्या कहा जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि विधायकों और विधायक उम्मीदवारों ने भ्रष्टाचार फैला रखा है। उनकी डिजाइर पर ही काम होते हैं। ऐसे में कांग्रेस के बाकी नेता और कार्यकर्ता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायक की तो फिर भी जिम्मेदारी है, लेकिन जो लोग हारे हुए हैं उनकी डिजाइर पर काम हो रहा है, वह भ्रष्टाचार फैला रहे हैं। उनकी कोई जिम्मेदारी भी नहीं है। ऐसे में पार्टी के फिर से सत्ता में लौटने की बातें हो रही है जो समझ नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि अधिवेशन में हम जैसे पूर्व विधायकों को नहीं जाने दिया गया जबकि नेता अपने चमचों को अंदर जाने दे रहे थे।

रंधावा जब सभी नेताओं से मिल रहे थे, तो वहीं 2018 में निर्दलीय प्रत्याशियों से चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों ने हंगामा कर दिया। शाहपुरा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे मनीष यादव, बहरोड़ से आरसी यादव, नदबई से हिमांशु कटारा और खंडेला से सुभाष मील, दौलत मीणा समेत 7-8 उन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **प्रभारी रंधावा के सामने पूर्व विधायक भाटी यह भी बोले कि, 2018 में 23 विधानसभा क्षेत्रों में जीते गैर कांग्रेसी प्रत्याशियों को तवज्जो देकर पार्टी को गर्त में डाला। इन निर्दलियों और दूसरे दलों से आए नेताओं ने भ्रष्टाचार फैलाया तथा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया।**

राज्यपाल ने विधानसभा सत्र आहूत करने की स्वीकृति दी

जयपुर, 29 दिसम्बर (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान की पन्द्रहवी विधानसभा का सत्र आगामी 23 जनवरी से आहूत करने की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को राजभवन पहुंच कर राज्यपाल से मुलाकात की। गहलोत ने राष्ट्रपति की राजस्थान यात्रा तथा प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कौशल विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन किए जाने पर भी चर्चा की।

राज्यपाल ने कोटा में कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं द्वारा लगातार की आत्महत्या किए जाने के समाचारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मुख्यमंत्री ने पेपर लीक प्रकरण और कोटा में आत्महत्याओं पर त्वरित संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की आवश्यकता जताई।**

यू.पी. के क्षेत्रीय दलों के नकारात्मक रुख से नीतीश को भी झटका लगा!

नीतीश सभी गैर भाजपा दलों का, जिनमें कांग्रेस भी शामिल है, गठबंधन तैयार करके, राष्ट्रीय नेता बनने के सपने देख रहे थे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। कांग्रेस को भाजपा के साथ जोड़ते हुये, समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने जहाँ इस बात की पुनः पुष्टि कर दी कि वे 3 जनवरी को उत्तर प्रदेश में प्रविष्ट हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल नहीं होगें, वही 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये कांग्रेस के साथ चुनाव से पहले या बाद में किसी प्रकार के गठबन्धन की सम्भावनाओं को भी खारिज कर दिया।

भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश वाले हिस्से के दौरान, सभी भाजपा-विरोधी ताकतों को एक मंच पर साथ ले आने की उम्मीद में, कांग्रेस ने विभिन्न पार्टियों, जिनमें सपा, आर.एल.डी., (राष्ट्रीय लोक दल) बसपा, सी.पी.आई., सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एस.बी.एस.पी.) के नेताओं के साथ, भाजपा को भी आमन्त्रित किया था। जहाँ अखिलेश यादव तथा आर.एल.डी. के जयन्त चौधरी अपनी अनुपलब्धता पहले ही व्यक्त कर दी थी, वहीं यह भी असम्भाव्य ही लग रहा है कि एस.बी.एस.पी. के ओम प्रकाश राजभर जैसे छोटे-मोटे दलों के नेता भी यात्रा में शामिल होंगे।

कांग्रेस को दिये गये अखिलेश के इस दो टूक जवाब को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उन योजनाओं के लिये भी एक धक्के के रूप में देखा जा रहा है, जिनके अन्तर्गत, 2024 के संसदीय चुनावों से पहले, वे राज्यों के अलग-अलग दलों को भाजपा के विरूद्ध एकजुट करना चाहते थे। नीतीश कुमार तथा जे.डी.यू. महासचिव के.सी. त्यागी ने अभी हाल ही में लखनऊ में अखिलेश के साथ मीटिंग की थी तथा मैनपुरी सीट के लिये सपा उम्मीदवार डिम्पल यादउव को जे.डी.यू. का समर्थन दिया था। बिहार के मुख्यमंत्री विपक्षी दलों, जिनमें कांग्रेस भी शामिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अब ये सपने चकनाचूर हो गये से लगते हैं, सपा, बसपा व आर.एल.डी. नेताओं के रुख से।**
- **अखिलेश ने भारत जोड़ो यात्रा से न जुड़ने के अपने इरादे को उजागर करते हुए, आगामी विधानसभा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन करने की संभावना से पूर्णतया इंकार किया।**

प्रदेश में 8 नए करोना संक्रमित मिले गुरुवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 29 दिसम्बर (का.सं)। प्रदेश में गुरूवार को 8 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस दौरान 5 मरीज ही रिकवर हुए हैं, जिससे एक्टिव केस बढ़कर 91 हो गए हैं। हालांकि इस बीच करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में गुरूवार को 3 जिलों में 8 नए संक्रमित मिले। इससे पहले राज्य में 7 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में 5, जालोर में 2 और जैसलमेर में 1 नया संक्रमित मिला है। आज राजधानी जयपुर में, बस्सी में 2 और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **गुरुवार को जयपुर में 5, जालौर में दो और जैसलमेर में एक नया करोना संक्रमित मिला, अब एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 91 हो गई है।**

क्षेत्रीय राजनीतिक दल यू.पी. में अपना प्रभाव व वोट, शेयर करने को तैयार नहीं

इसीलिये अखिलेश यादव, मायावती व जयन्त चौधरी, भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ना नहीं चाहते

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर। कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश अब भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है क्योंकि राज्य की प्रमुख गैर भाजपा पार्टियों यथा बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता क्रमशः मायावती और अखिलेश यादव के साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयन्त चौधरी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का कांग्रेस का आमन्त्रण ठुकरा दिया है। यात्रा एक विराम के बाद देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू होकर अपने गन्तव्य कश्मीर को जाएगी।

अखिलेश यादव ने आज जहां यह कहा कि उनकी पार्टी को राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का निमन्त्रण तक नहीं मिला है, वहीं समाजवादी प्रमुख के निकट सूत्रों की ओर से ऐसे संकेत हैं कि कांग्रेस की इस यात्रा में शामिल होने का अखिलेश का कोई इरादा नहीं है।

यादव ने लखनऊ में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि ''हमें भारत जोड़ो यात्रा के लिए कोई आमंत्रण प्राप्त नहीं हुआ है। हमारी पार्टी की विचारधारा भिन्न है। भाजपा और कांग्रेस दोनों एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं।''

कांग्रेस के इस दावे कि उसने भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश चरण में शामिल होने के लिए सपा नेता अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमों मायावती और आर.एल.डी. के जयंत चौधरी सहित गैर भाजपा पार्टियों के कई नेताओं को निमंत्रण भेजा है, के बावजूद यादव का उक्त बयान सामने आया है।

चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी मायावती ने जहां विनम्रतापूर्वक यह कहते हुए यात्रा में शामिल होने से इन्कार कर दिया कि वह अपनी पार्टी के पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्त है, वहीं जयन्त चौधरी ने भी इसमें शामिल होने से इन्कार कर दिया है

इससे पहले, सोमवार को पत्रकारों के इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कि क्या उनकी योजना राहुल के आमन्त्रण को स्वीकार करने की है, अखिलेश ने इस प्रश्न का सीधा उत्तर देने से बचते हुए कहा कि ''हमारी भावना है कि भारत जोड़ो, हमारी भावना है उसके साथ, लेकिन सवाल यह है कि भाजपा को हटाएगा कौन-?''

सपा के प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने भी मीडिया को बताया कि सपा प्रमुख के यात्रा में शामिल होने की संभावना नहीं है क्योंकि पार्टी के पहले से ही कई तय कार्यक्रम है। चौधरी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी को इस संबंध में कोई औपचारिक आमंत्रण प्राप्त नहीं हुआ है। इसको लेकर ऐसा ही कुछ जवाब बहुजन समाज पार्टी का है।

भारत जोड़ो यात्रा आगामी 3 जनवरी को गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और शामली से कैराना होते हुए हरियाणा जाएगी। यात्रा अगले दिन बागपत के मावी कलां पहुंचेगी और बागपत के ही बागपत सिटी, सिसाना, सरूरपुर और बारोट से गुजरेगी। इसके बाद 5 जनवरी को यात्रा शामली जिले के आलम पहुंचेगी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इन क्षेत्रीय पार्टियों को अंदेशा है कि, उनके यात्रा में जुड़ने से कांग्रेस की छोटी-छोटी पार्टियों में पैठ जम सकती है, जिसका नुकसान अखिलेश आदि को होगा।**
- **मायावती व अखिलेश ने सकारात्मक जवाब देने से बचने के लिये, यह भी कहा कि, उन्हें यात्रा से जुड़ने के लिये कोई आमंत्रण अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।**
- **इन लोगों ने इस बात पर यह औपचारिक नाराज़गी भी जतायी कि, कांग्रेस के प्रमुख जयराम रमेश ने देश की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका को काफी कम आंका। कांग्रेस इसी कारण यू.पी. में तो सीटें मांगती है क्षेत्रीय दलों से, पर, मध्य प्रदेश, राजस्थान व कर्नाटक में, जहाँ कांग्रेस की स्थिति कुछ बेहतर है, सपा, बसपा आदि को सीटें देने में आनाकानी करती है।**

'आरोपियों के घरों पर बुलडोज़र चलाना चाहिए'

जयपुर, 29 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में पेपर लीक मामले में सरकार पर उठ रहे सवालों के बीच कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सलाह देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह ही आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाना चाहिए। मलिंगा ने कहा कि योगी की तरह काम करने में क्या दिक्कत है। हमारे यहां भी ठोस कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बार-बार का यह सिलसिला बंद हो जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कांग्रेस के विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने कहा, यू.पी. के मु.मंत्री योगी की तरह काम करने में क्या दिक्कत है, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बंद होना चाहिए।**